Regional Coordinating Institute, Unnat Bharat Abhiyan
IIT Roorkee

(News Clipping)

दैनिक जागरण

5 फरवरी 2020

कार्यशाला जल संसाधनों का उपयोग, सिंचाई व पेयजल का बेहतर प्रबंधन विषय पर प्रतिभागियों का किया गया मार्गदर्शन

ग्रामीण नेतृत्व के बेहतर प्रबंधन पर किया मंथन

आइआइटी रुड़की में आयोजित कार्यशाला में प्रतिभागियों को जानकारी देते (बाएं) राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान रुड़की के पूर्व निदेशक प्रो. आरडी सिंह ● आयोजक संस्था

जागरण संवाददाता, रुड़की: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) रुड़की में उन्नत भारत अभियान के तहत आयोजित कार्यशाला में मंगलवार को ग्रामीण नेतृत्व के बेहतर प्रबंधन के लिए विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों के साथ विचार साझा किए। साथ ही फसल लागत को कम करने के बारे में भी जानकारी दी गई।

मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम ऑन रूरल डेवलपमेंट लीडरशिप पर आयोजित चार दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान रुड़की के पूर्व निदेशक प्रो. आरडी सिंह ने जल संसाधनों का उपयोग, सिंचाई व पेयजल का बेहतर प्रबंधन विषय पर प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। आइआइटी रुड़की के प्रो. रिदम सिंह ने ग्रामीण विकास में सौर ऊर्जा के उपयोग पर व्याख्यान दिया। राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान गुवाहाटी के निदेशक प्रो. आरएम पंत ने प्रेरक संवाद प्रबंधन के गुर से अवगत कराया। वहीं, उत्तराखंड मत्स्य पालन विभाग के अधिकारी एलएम जोशी ने पर्वतीय क्षेत्रों में मत्स्य पालन को बढ़ावा देने व इसके प्रबंधन पर व्याख्यान दिया। आइआइटी रुड़की की प्रो. उषा लंका ने ग्रामीण क्षेत्रों के लिए टीम बनाने व उनके नेतृत्व की बारीकियों पर चर्चा की। जबकि प्रतिभागियों को मौसम आधारित कृषि प्रबंधन एवं मौसम पूर्वानुमान के उपयोग से फसल लागत को काम करके उत्पादन बढ़ने की रणनीतियों पर ग्रामीण कृषि-मौसम सेवा परियोजना के तकनीकी अधिकारी डॉ. अरविंद कुमार श्रीवास्तव ने जानकारी दी। उन्होंने प्रतिभागियों को मेघदूत मौसम ऐप, परियोजना की वेबसाइट, सोशल मीडिया पेज, समाचार पत्रों व मोबाइल मैसेज के माध्यम से प्रतिभागियों को कृषि मौसम सलाहकार सेवाओं को प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला में क्षेत्रीय समन्वय संस्थान, उन्नत भारत अभियान, आइआइटी रुड़की के समन्वयक प्रो. आशीष पांडेय, राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान के प्रो. मुकेश कुमार श्रीवास्तव, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण एवं जिला मिशन प्रबंधक की सहायक परियोजना निदेशक नलिनीत घिल्डियाल, जिला थीमेटिक विशेषज्ञ भानु प्रताप, नितिन शर्मा, धनंजय पासवान दास, मौसम प्रेक्षक रोहित गिरी, नितिन वर्मा, विकास विक्रम, गुंजन लाल, मोहम्मद हारून, हरीश लखेड़ा सहित ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।